पित्ताशय में पथरी से कैंसर की संभावना

अहमदाबाद

ahmedabad@patrika.com

पित्ताशय में पथरी होने वाले लोगों में कैंसर की संभावना बढ़ जाती है यदि पथरी तीन सेन्टीमीटर या उससे अधिक है तो कैंसर होने की संभावना छह गुना ज्यादा होती है।

इस तरह के देश में सबसे अधिक मामले उत्तर भारत में सामने आते हैं। जबकि पित्ताशय में कैंसर होने के मामले विश्व में भारत में ही अधिक हैं। गुजरात में रह रहे मूल उत्तरभारतीय लोगों में पित्ताशय मे पथरी और कैंसर होने की संभावना अधिक है।

एडवान्समेंट इन लीवर सर्जरी-लीवर अपडेट 2013 के अन्तर्गत रविवार को आयोजित पांचवीं कॉन्फ्रेंस में एकत्र हुए विशेषज्ञों के ये तथ्य हैं।

पित्ताशय में कैंसर होने का पता आमतौर पर अंतिम स्टेज पर पता चलता है, जिससे इस घातक बीमारी से पित्ताशय के कैंसर से पीड़ितों में से 90 फीसदी की मौत हो जाती है। जबकि दस फीसदी क्योर हो पाते हैं।

लीवर प्रत्यारोपण सर्जन डॉ. हितेष चावड़ा ने बताया कि गुजरात की अपेक्षा दिल्ली एवं उत्तरभारतीय लोगों में इसकी संभावना ज्यादा होती है। दिल्ली में प्रति एक लाख लोगों में से इसका औसत 6.6 है जबकि गंगा नदी के क्षेत्र में इसका औसत 5.2 है। स्टर्लिंग अस्पताल, गुजरात लीवर एंड डायजेस्टिव सर्जरी क्लिनिक तथा गुजरात लीवर कैंसर क्लिनिक के संयुक्त तत्वाधान में यह कान्फ्रेंस आयोजित हुई।

महिलाओं में दोगुना

देश में हर एक लाख की आबादी में से तीन जनों को यह बीमारी होती है इनमें से एक पुरुष एवं दो महिलाएं होती हैं। पित्ताशय का कैंसर सबसे अधिक घातक होता है। कैंसर से मरने वालों में यह सबसे बड़ा पांचवां कारण है। इस रोग के लक्षण बहुत जल्द सामने नहीं आने पर रोगियों में से अस्सी से नब्बे फीसदी अंतिम स्टेज पर उपचार लेने पहुंचते हैं।

ये हैं कारण

वैसे तो इस तरह के कैंसर होने के स्पष्ट कोई कारण अभी तक सामने नहीं आए हैं लेकिन पित्ताशय में पथरी होना तथा ज्यादा अस्वस्थ रहने वाले लोगों में यह ज्यादा देखा गया है। धूम्रपान और टाइफॉइड भी इस रोग को बढ़ावा देते हैं। इस रोग से बचने का सबसे सरल उपाय समय-समय पर जांच कराना है।

कैंसर की पहचान यदि प्रथम चरण में हो जाती है तो यह पूरी तरह से क्यौर भी हो सकता है।